कोरोना वायरस के इलाज में गंगा जल के परीक्षण के लिए भेजा गया प्रस्ताव

दैनिक जागरण नई दिल्ली दिनांक 04-05-2020

जल शक्ति मंत्रालय की एक शाखा नेशनल मिशन फॉर क्लीन गंगा (एनएमसीजी) ने देश के सबसे बड़े चिकित्सा शोध संस्थान आइसीएमआर को कोरोना वायरस के संक्रमण के नैदानिक इलाज( clinical Test) के लिए गंगा जल का परीक्षण करने का प्रस्ताव दिया है। सेना के सेवानिवृत्त अफसरों के एक संगठन 'अतुल्य गंगा' की ओर से मंत्रालय को इस वैश्विक महामारी के इलाज के लिए उपयोग करने का सुझाव दिया है।

स्वच्छ गंगा मिशन के एक अधिकारी ने रविवार (4 अप्रैल) को बताया कि इस अनूठे प्रस्ताव को भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर) को भेजा गया है। नेशनल मिशन आफ गंगा को लिखे गए विस्तृत पत्र में 'अतुल्य गंगा' संगठन ने दावा किया कि पर्वतीय क्षेत्रों में गंगा नदी में अच्छे बैक्टीरिया की कई प्रजातियां पाई जाती हैं जो सि नदी के जल को दिव्य गुणों से भर देती हैं। वैज्ञानिकों ने इस पावन नदी के जल में पाए जाने वाले इन बैक्टीरिया को 'निंजा वारियर्स' का नाम दिया गया है। अतुल्य गंगा के संस्थापक सेवानिवृत्त मेजर मनोज केश्वर का कहना है कि इन्हीं खूबियों के कारण गंगा के गंगत्व को पहचान कर कोरोना वायरस के संक्रमण को दूर करने में इसका इस्तेमाल किया जाएगा।

गंगा को उसके पुरातन स्वरूप में वापस लाने के लिए प्रतिबद्ध इस संगठन ने गंगाजल की विषाणु विरोधी खूबियों से निश्चित रूप से कोरोना वायरस के संक्रमण को खत्म करने का दावा किया है। उन्होंने कहा कि इस प्रस्ताव पर एनएमसीजी के रुचि लेने से इस योजना को लेकर एक नई उम्मीद जगी है।